

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

दवाओं के खर्च का बोझ कम करने की पहल, सुजाता उद्धव आवारी ने 'चिंतामणी जेनेरिक' के माध्यम से निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



बीमारी का सामना करते समय मरीजों और उनके परिवारों के लिए उपचार की व्यवस्था करना एक बड़ी चुनौती हो सकती है। डॉक्टर की फीस, जांच और अस्पताल के खर्च के साथ नियमित दवाओं की लागत भी घरेलू बजट को प्रभावित करती है। विशेष रूप से लंबे समय तक चलने वाले उपचार में दवाओं का खर्च परिवारों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए सौ. सुजाता उद्धव आवारी ने जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में काम करने का निर्णय लिया। अपने पति श्री उद्धव अर्जुन आवारी के सहयोग से उन्होंने चिंतामणी जेनेरिक प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से दवाओं के खर्च के प्रति जागरूकता बढ़ाने और मरीजों को उपलब्ध विकल्पों की जानकारी देने की दिशा में पहल की है।

उनके प्रयास का मुख्य उद्देश्य मरीजों को दवाओं के बारे में सही जानकारी उपलब्ध कराने और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपयुक्त विकल्पों को समझने में सहायता करना है। इस पहल में व्यावसायिक गतिविधियों के साथ स्वास्थ्य संबंधी सामाजिक जिम्मेदारी को भी महत्व दिया गया है।

जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता क्यों जरूरी है ?

कई बीमारियों में मरीजों को नियमित रूप से दवाएं लेनी पड़ती हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं में उपचार की निरंतरता महत्वपूर्ण हो सकती है। कुछ गंभीर बीमारियों में भी लंबे समय तक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में दवाओं की उपलब्धता और उनकी कीमत परिवारों के आर्थिक नियोजन को प्रभावित कर सकती है।

जेनेरिक दवाएं सामान्यतः संबंधित सक्रिय औषधीय घटक के आधार पर उपलब्ध होती हैं और कई मामलों में ब्रांडेड विकल्पों की तुलना में कम कीमत पर मिल सकती हैं। हालांकि, कीमत और उपलब्धता दवा, निर्माता, खुराक तथा बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

जेनेरिक दवाओं के बारे में जानकारी बढ़ने से मरीज और उनके परिवार चिकित्सक या फार्मासिस्ट के साथ उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कर सकते हैं। लेकिन केवल कम कीमत के आधार पर दवा का चयन करना उचित नहीं है। दवा की गुणवत्ता, सक्रिय घटक, खुराक, उचित उपयोग और मरीज की स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखना आवश्यक है।

चिंतामणी जेनेरिक के माध्यम से सामाजिक पहल

सुजाता उद्धव आवारी ने अपने पति उद्धव अर्जुन आवारी के सहयोग से चिंतामणी जेनेरिक प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से इस क्षेत्र में कार्य शुरू किया। संस्था की पहल जेनेरिक दवाओं के प्रति लोगों की समझ बढ़ाने और मरीजों को दवाओं के विकल्पों से परिचित कराने पर केंद्रित है।

अक्सर मरीजों को यह जानकारी नहीं होती कि उनके उपचार के लिए कोई उपयुक्त कम कीमत वाला विकल्प उपलब्ध है या नहीं। ऐसी स्थिति में चिकित्सक से चर्चा और दवा के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त करना महत्वपूर्ण होता है। चिंतामणी जेनेरिक का प्रयास इसी तरह की जानकारी और जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ना है।

दवाओं की कीमतों के बारे में पारदर्शी जानकारी मिलने से मरीज अपने उपचार संबंधी खर्च को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। हालांकि, प्रत्येक मरीज के लिए एक ही दवा या विकल्प उपयुक्त नहीं होता। इसलिए किसी भी दवा को बदलने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

गंभीर और दीर्घकालिक बीमारियों में दवाओं की भूमिका

उच्च रक्तचाप, कैंसर, गुर्दे से संबंधित बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में दवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कई मामलों में उपचार की अवधि लंबी होती है और मरीजों को नियमित रूप से चिकित्सा निगरानी की आवश्यकता होती है।

ऐसी परिस्थितियों में दवाओं की उपलब्धता, उचित कीमत और सही जानकारी मरीजों के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। दवाओं के खर्च को समझना परिवारों को आर्थिक योजना बनाने में मदद कर सकता है। साथ ही, निर्धारित उपचार को बिना चिकित्सकीय सलाह के रोकने या बदलने से बचना भी उतना ही जरूरी है।

सुजाता आवारी की पहल दवाओं से जुड़े आर्थिक पहलुओं पर ध्यान आकर्षित करती है। जेनेरिक दवाओं के बारे में सही जानकारी उपलब्ध होने से मरीज अपने डॉक्टर के साथ संभावित विकल्पों पर चर्चा कर सकते हैं और अपनी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप निर्णय ले सकते हैं।

अंबरनाथ से दिवा तक कारोबार का विस्तार

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चिंतामणी जेनेरिक प्राइवेट लिमिटेड ने अंबरनाथ, कल्याण, घाटकोपर और दिवा जैसे क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाई है। इन क्षेत्रों में काम करने का उद्देश्य अधिक लोगों तक पहुंचना और जेनेरिक दवाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के प्रयासों को आगे बढ़ाना बताया गया है।

स्थानीय स्तर पर दवाओं की उपलब्धता लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है, खासकर तब जब उन्हें नियमित उपचार के लिए दवाओं की आवश्यकता होती है। हालांकि, किसी विशेष दवा की उपलब्धता, उसकी कीमत और उसके वितरण की स्थिति संबंधित केंद्र पर निर्भर कर सकती है।

व्यवसाय का विस्तार केवल नए क्षेत्रों तक पहुंचने का विषय नहीं है, बल्कि ग्राहकों को सही जानकारी देना, दवाओं की गुणवत्ता और उचित भंडारण का ध्यान रखना तथा लागू नियमों का पालन करना भी महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य से जुड़े कारोबार में जिम्मेदार कार्यप्रणाली मरीजों के विश्वास को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है।

महिला उद्यमिता और पारिवारिक सहयोग का उदाहरण

सुजाता उद्धव आवारी की व्यावसायिक यात्रा महिला उद्यमिता और सामाजिक सरोकार के मेल को सामने लाती है। अपने पति के सहयोग से उन्होंने दवाओं से जुड़े ऐसे क्षेत्र में काम करने का निर्णय लिया, जिसका सीधा संबंध आम लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों से है।

उनकी पहल यह संदेश देती है कि व्यवसाय के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के साथ समाज की आवश्यकताओं पर

भी ध्यान दिया जा सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषयों में जागरूकता, उचित जानकारी और जिम्मेदार निर्णय लेने की संस्कृति विकसित करना विशेष महत्व रखता है।

दवाओं का खर्च कई परिवारों के लिए वास्तविक चिंता का विषय हो सकता है। ऐसे में मरीजों को सही जानकारी उपलब्ध कराने और उपलब्ध विकल्पों को समझने में मदद करने वाले प्रयास उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं।

आगे की राह और सामाजिक जिम्मेदारी

चिंतामणी जेनेरिक के माध्यम से सुजाता उद्धव आवारी दवाओं के आर्थिक पहलुओं और जेनेरिक विकल्पों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही हैं। इस तरह की पहल की उपयोगिता इस बात पर निर्भर करती है कि मरीजों को सही जानकारी मिले, दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित हो और उपचार संबंधी निर्णय चिकित्सकीय मार्गदर्शन के आधार पर लिए जाएं।

स्वास्थ्य सेवा में किफायती विकल्पों की जानकारी महत्वपूर्ण है, लेकिन मरीज की सुरक्षा और उपचार की प्रभावशीलता हमेशा प्राथमिकता होनी चाहिए। सुजाता आवारी की यह पहल दवाओं के खर्च पर चर्चा को प्रोत्साहित करती है और लोगों को अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों में जागरूक रहने का संदेश देती है।

संपर्क विवरण — चिंतामणी जेनेरिक प्राइवेट लिमिटेड

- मोबाइल: 7720053643
- ई-मेल: sujatauddhav.chintamanigeneric@gmail.com

सुजाता उद्धव आवारी दवाओं के आर्थिक पहलुओं और जेनेरिक विकल्पों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही हैं। इस तरह की पहल की उपयोगिता इस बात पर निर्भर करती है कि मरीजों को सही जानकारी मिले, दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित हो और उपचार संबंधी निर्णय चिकित्सकीय मार्गदर्शन के आधार पर लिए जाएं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.